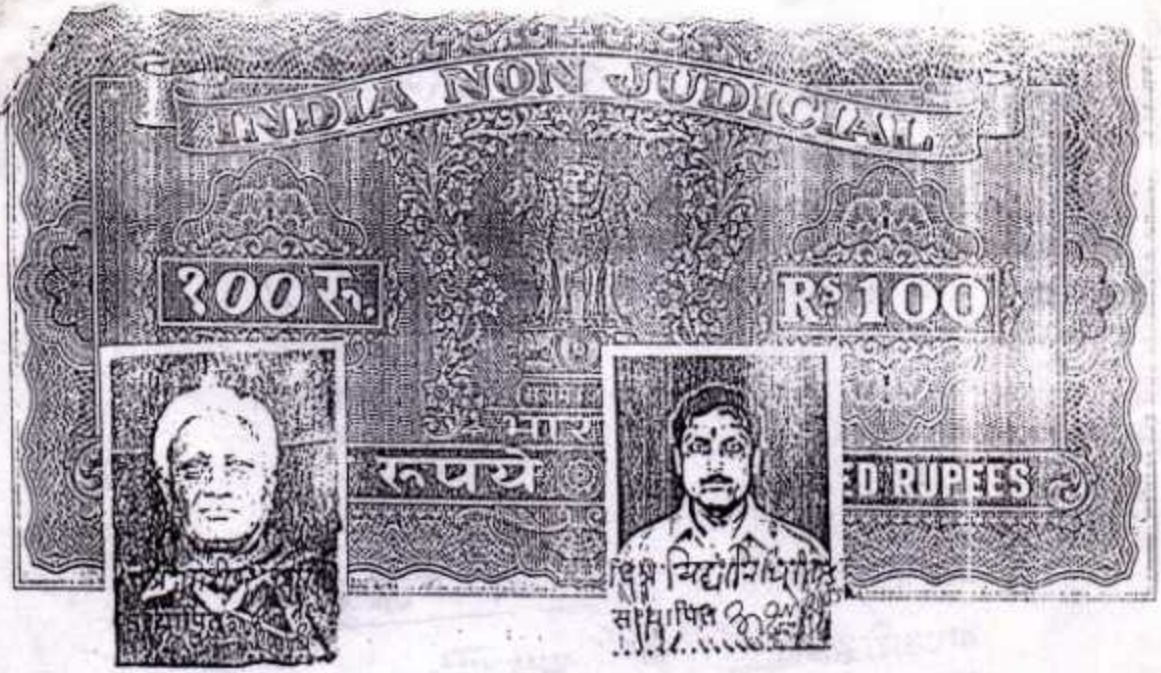

यह कि जगदीश नारायण खत्री पुत्र श्री मनीराम खत्री निवासी 12-1 [illegible], झांसी जिन्हें इस प्रलेख में आगे प्रथम पक्ष के रूप में वर्णित किया जायेगा तथा डाक्टर देवीनाथ मिश्र व श्री विद्यानिधि मिश्र पुत्रगण श्री दयानिधि मिश्र निवासी गेट नं0-3 के सामने मेडीकल कालेज, झांसी बहैसियत क्रमशः अध्यक्ष एवं प्रबंधक वास्ते श्रीमती विद्यावती एजूकेशनल सोसायटी संस्था वन्ना गेट नं0-3 मेडीकल कालेज के सामने कानपुर रोड, झांसी जो सोसायटी के रजिस्ट्रार [illegible] सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 के आधीन सम्यक रूप से रजिस्टर्ड है जिसका रजिस्ट्रेशन [illegible] पत्रावली सं0 जे-14491 दिनांक 24-9-2001 है जिसे इस प्रालेख में द्वितीय पक्ष के रूप में [illegible] वर्णित किया जायेगा [illegible] मध्य निष्पादित यह विलेख [illegible] अंकित करता है कि

1- यह कि द्वितीय पक्ष सोसायटी रजिस्टर्ड सोसायटी है और सोसायटी के सर्व सम्मत स्वीकृत प्रस्ताव से प्रथम पक्ष की कृषि भूमि चाके मौजा गोरा मछिया व झांसी भूमि नं0- 261/1 / 0.0.20

262/1,	263,	264 मि0	265मि	266/1 मि	273/3 मि
0.971	0.142	0.194	0.008	0.016	0.008
273/8मि	275/2 मि	276/2 मि	277/4 मि	322/2 मि	
0.008	0.121	0.425	0.935	0.077	

कुल 12 किता रकबा 2.925 भूमि रूपया 4 लाख के प्रतिफल में खरीदी गई विक्रय धन 400,000/- के प्रतिफल में खरीदी गई विक्रय धन 400,000/- का [illegible] द्वितीय पक्ष को सोसायटी से चालू खाता सं0 320 में जमा राशि से [illegible] भारतीय स्टेट बैंक म0ला0का0 मेडीकल कालेज, झांसी दिनांक 21-9-2001 से हुआ भूमि क्रय

जगदीश नारायण खत्री —— [signature] ——

क्रमशः .....2 पर
क्रमशः .....3 पर

सम्बन्धी प्रस्ताव जो सोसायटी के बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया गया कि प्रति तथा सोसायटी के खाते से जमा राशि से बनाये गये ड्राफ्ट चैक के सम्बन्ध में भारतीय स्टेट बैंक मेडिकल कालेज झांसी द्वारा जारी प्रमाणक दिनांक 28-11-2001 इस प्रलेख का अंग बनाकर अनुलग्नक-1 व अनुलग्नक-2 के रूप में इस लेखपत्र के साथ संलग्न है ।

2- पूर्वांकित बिन्दु-1 में वर्णित विक्रय के विधिक डीड विक्रय का पंजीकरण कार्यालय उप निबंधक झांसी प्रथम जिला झांसी में फोटो स्टेट प्रति पुस्तक सं0-1 खंड 2110 के पृष्ठ 319/332 पर क्रम सं0 3180 पर दिनांक 24-9-2001 को हुआ है। इस प्रालेख में प्रयुक्त स्टाम्प रूपया 117000/- तथा निबंधन शुल्क रू0 5020.00 की धनराशियां सोसायटी द्वितीय पक्ष के चालू रोकड़ से निकाली गई है। प्रमाण स्वरूप द्वितीय पक्ष के लेजर की प्रति संलग्न के रूप में इस लेखपत्र के साथ संलग्न है ।

3- बिन्दु-2 में कथित पंजीकृत विलेख सं0 3180 दिनांक 24-9-2001 द्वितीय पक्ष का पूर्ण विवरण लिखे जाने से छूट गया है। अतएव प्रथम पक्ष एवं द्वितीय पक्ष के मध्य प्रश्नगत विक्रय अंतरण सौदे का पूरा करने के लिये अनुपूरक विलेख निष्पादित किया जाना आवश्यक है। अतः मूल विक्रय विलेख ले0सं0 3180 दिनांक 24-9-2001 के प्रथम पृष्ठ में अंकित क्रेता के कॉलम की अंतिम पंक्ति मेडीकल कालेज झांसी के बाद "बहैसियत क्रमशः अध्यक्ष एवं प्रबंधक वास्ते श्रीमती विद्यावती एजुकेशनल सोसायटी संध्या सदन गेट नं0-3 मेडीकल कालेज के सामने कानपुर रोड झांसी जो सोसायटी के रजिस्ट्रार उ0प्र0 द्वारा सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 के अधीन सम्यक रूप से रजिस्टर्ड है। जिसका रजिस्ट्रेशन सं0 1461 पत्रावली सं0 जे0 14491 दिनांक 24-9-2001 है" । पढ़े जाने हेतु अनुपूरक प्रविष्ट एतद द्वारा स्थापित की जाती है। प्रश्नगत विक्रय सौदा मूल विक्रय विलेख एवं इसके सम्पाश्विक इस उत्तरवर्ती अनुपूरक विलेख को एक साथ पढ़ने पर पूरा होता है ।

4- स्टाम्प अधिनियम 1899 की धारा-4 में दी गई व्यवस्था के अनुसार विक्रय सौदा पूरा करने के लिये कई विलेखों का उपयोग अनुमन्य है जिसके अंतर्गत मुख्य विलेख पर हस्तान्तरण के लिये निर्धारित शुल्क तथा अन्य प्रत्येक उत्तरवर्ती विलेख हेतु 5.00 शुल्क प्रभार्यता विनिश्चित है। प्रश्नगत मामले में रजिस्टर्ड बैनामा ले0सं0 3180 दिनांक 24-9-2001 मुख्य प्रलेख है। इस पर पूर्व में ही सम्यक स्टाम्प रू0 117000/- रूपया अदा किया जा चुका है। अस्तु सौदे को पूरा करने हेतु इस उत्तरवर्ती विलेख में रूपया 100/- का स्टाम्प जो 5.00 रूपये से अधिक है अदा किया जा रहा है।

जगदीश नारायण खत्री

क्रमशः....3 पर

अतः दोनों पक्षों ने स्वेच्छा से यह विक्रय पत्र हेतु अनुबन्ध विलेख अंकित कर दिया है कि प्रमाण रहे समय पर काम आवे लेखन तिथि 07.02.2002 अवधेश कुमार नगाइच एडवोकेट झाँसी टाइपकर्ता मोहम्मद एजाज सिद्दीकी तहसील कम्पाउण्ड, झाँसी।

अवधेश कुमार नगाइच 08-02-2002

हस्ताक्षर प्रथम पक्ष

जगदीश नारायन खत्री

{ जगदीश खत्री }

हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष

{ विद्यानिधि मिश्र }

प्रबन्धक

विद्यावती एजूकेशनल सोसाइटी, झाँसी।

साक्षी:- सुरेन्द्र पाठक
C/o एस.के. पाठक
पुत्र श्री भगवान दत्त पाठक
देवालय मेडिकल

साक्षी-1 अवधेश कुमार नगाइच

प्रस्तुत .... वाले .... निवासी
श्री/श्रीमती अवधेश कुमार नगाइच
निवासी ....
द्वारा प्रस्तुत है।

हस्ताक्षर निष्पादक

जगदीश नारायन खत्री

RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हज़ार रुपये

0JDD 240335

3/9

नकल नम्बर - २६८/०८

कुल स्टाम्प का योग - ₹११७०००/ एक लाख सत्रह हजार

लेखपत्र का प्रकार - बैनामा

नाम विक्रेता - श्री जगदीश नारायन खत्री पुत्र श्री मनीराम खत्री निवासी १२४ जुगयाना झाँसी

नाम क्रेता - डा देवनिधि मिश्र व श्री विद्यानिधि मिश्र पुत्रगण श्री दयानिधि मिश्र निवासी गेट न ३ के सामने मेडिकल कालेज झाँसी

ह० पत्रकर्ता
ह० मिलान कर्ता

ह० जगदीश नारायन खत्री
जगदीश नारायन खत्री

ह० पठनकर्ता
ह० मिलानकर्ता

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

0JDD 240336 321

विक्रीत सम्पत्ति - आराजी भूमिधरी स्थित
ग्राम गोरा मछिया परगना व तहसील
झांसी को जिसका विवरण नीचे
दिया जा रहा है जो खसरा क्रमांक
३ दर ४,००,००० प्रति हेक्टेयर के
अन्तर्गत है विक्रेता अनुसूचित
एवं जनजाति का सदस्य नहीं
है

बाजार मालियत - ११.६००००

विक्रय मूल्य - ४,००,००० चार लाख रु०

ह० पत्रकर्ता — जगदीश नारायन खत्री

ह० मिलान कर्ता — ह० जगदीश नारायन खत्री

ह० पत्रकर्ता

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

RUPEES 25000 रुपये — RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

01DD 240337 323

जो कि मुकिरान जैल आराजी भूमिधरी मुवेया
का सम्पूर्ण रूप से मालिक काबिज है जो
कहीं नरा अथवा रहन आदि नहीं है अब
चूंकि मुझको घर कार्य हेतु रुपयों की
आवश्यकता है इसलिये मुकिर जैल भूमिधरी
मुवेया को उपरोक्त क्रेता को उपरोक्त विक्रय
मूल्य में कतई तौर से विक्रय करता हूं
कब्जा व दखल भूमिधरी मुवेया पर आप
खरीदारान को बखूबी आज ही से दे
दिया है अधिकार आप खरीदारान भूमिधरी

ह० पक्षकार — जगदीश नारायन खत्री

ह० निशान उंगली — जगदीश नारायन खत्री

ह० पठनकर्ता
ह० मिलानकर्ता

25000 RUPEES 25000 पच्चीस हजार रुपये

0JDD 240338 32

मुनैया में स्वयं काश्त करें या दूसरों से

काश्त करावें बय हिबा रहन करें आज

से मेरा व मेरे वारसान का कोई वास्ता

व सरोकार नहीं रहा है और न आइन्दा

होगा काश किसी कानूनी नुक्स की

वजह से भूमिधारी मुनैया कब्जे आप

खरीददारान से निकल जाये तो कुल

रकम मय हर्जा व खर्चा का मैं देनदार हूं

जगदीश नारायन खत्री

ह० पत्रकर्ता
ह० विक्रय कर्ता जगदीश नारायन खत्री

ह० पत्रकर्ता
ह० मिलानकर्ता

हजार रुपये

RUPEES FIFTEEN THOUSAND

Rs.15000

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

Rs.15000

0JBB 481J85

3:

कुल मूल्य बैनामा मुबलिग ८,००,०००)

चार लाख रुपया मैंने जरिये चैक नम्बर 304072-भारतीय स्टेट बैंक म.ल.बा मेडिकल कालेज झांसी दिनांक 21.9.200६ का प्राप्त कर लिया है।

तफसील आराजी भूमिधरी स्थित ग्राम गोरामछिया परगना झाँसी चक सरवांटर के मूल नम्बरान

नम्बर		रकबा	
२६१/१	[illegible]	0-020	दो एयर
२६२मि		0.८६१	संतानवे एयर एक डेसी
२६३		0.१४२	चौदह एयर दो डेसी
२६४मि		0.२९४	उन्तीस एयर चार डेसी
२६५मि		0.00८	आठ एयर

जगदीश नरायन खन्नी

जगदीश नारायन खन्नी

ह० पत्रकर्ता

ह० मिलान कर्ता

ह० पत्रकर्ता
मिलान

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

२६६/मि	०.०१६ एक ऐयर छःडेसी
२६२/मि	०.००८ आठ ऐयर
२६३/मि	०.००८ आठ ऐयर
२६५/मि	०.१२१ बारह ऐयर एक डे
२६६/मि	०.४२५ ब्यालिस ऐयर पांच डे
२६६/मि	०.९३५ तिरान्वे ऐयर पांच डे
३२२/मि	०.०७७ सात ऐयर सात डेसी

१२ बारह किता रकवा २.९२५ दो हेक्टेयर बानवे ऐयर पांच डेसी पर पूर्ण विक्रय किया है जिसका स्वेच्छा से यह बैनामा करदई सुन व समझकर तहरीर कर दिया कि समय पर काम आवे। नोट पत्र ५ की सतर १० में २६२/१ के पहले [illegible] व सतर १२ व १३ में [illegible] व सतर १३ में [illegible] है

जगदीश नारायन खत्री

जगदीश नारायन खत्री

१000रु. R^s 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

नोटपर्त १ की सतर १ में ११6000) के पहले स्याही 331
काटा गया पड़ा है व पर्त ५ की सतर १० में 262/21
के बाद स्याही काटा गया है व पर्त ६ की सतर १
में 2६६/२ में 2 का ठीक गया है नोटपर्त के
नम्बर प्रलेख के 1 व 2.3.4.5.6.7 में कोष्ठक
स्याही भर दिया है
दिनांक 21-7-2001 ई. वनमालाप्रिय कुमार

झांसी

प्रस्तुत प्रलेख के निष्पादन का सत्यापित पत्र
श्रीमती रामकुमार यादव एडवोकेट
निवासी ... एडवोकेट ... झांसी
द्वारा प्रस्तुत है।

हस्ताक्षर निष्पादक
जगदीश नारायन खत्री
जगदीश नारायन खत्री

गवाह: रामकुमार यादव (एड. एड. झांसी)

गवाह:- अनिल बुन्देला S/o श्री राम प्रसाद बुन्देला
793/2, मंदीर गंज झांसी-3

पत्र लेखक
(२०१०)
लाइसेंस
दिनांक २१-३-२००१ तक विधिमान्य
ली गई फीस ... रु.

[illegible]

आज दिनांक 24-9-2001 को बही संख्या I जिल्द संख्या 2118 के पृष्ठ 319/332 पर क्रम संख्या 3148 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

सत्य प्रतिलिपि

उपनिबन्धक

प्रथम, आगरा